Hindi Murli Quiz 25-06-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice		Match
A	जैसे स्थूल शरीर द्वारा साकारी ईश्वरीय सेवा में बिजी रहते हो	1	ऐसे अपने आकारी शरीर द्वारा अन्त:वाहक सेवा भी साथ-साथ करनी है।
B	जैसे ब्रहमा द्वारा स्थापना की वृद्धि हुई वैसे	2	स्वर्ग में तो हम बहुत सुखी होंगे।
C	इस सेवा के लिए कर्म करते भी	3	अभी आपके सूक्ष्म शरीरों द्वारा, शिव शक्ति के कम्बाइन्ड रूप के साक्षात्कार द्वारा साक्षात्कार और सन्देश मिलने का कार्य होना है।
D	मान के त्याग में	4	किसी भी कर्मबन्धन से मुक्त सदा डबल लाइट रूप में रहो।
E	भल कितना भी धनवान है, तो भी यह अल्पकाल का सुख काग विष्टा समान है। इनको कहा जाता है विषय वैतरणी नदी।	5	सर्व के माननीय बनने का भाग्य समाया हुआ है।
F	तुम प्रदर्शनी में अपना सुख बताते हो ना। हम भारत को स्वर्ग बना रहे हैं।	6	श्रीमत पर भारत की सेवा कर रहे हैं। जितना-जितना श्रीमत पर चलेंगे उतना तुम श्रेष्ठ बनेंगे।

Q.2) **खुद भी समझते हैं - हम _____- के थप्पड़ से छूटने चाहते हैं। परन्तु _____ छूटने नहीं देती है। कहते हैं बाबा _____ को बोलो-ऐसे पकड़े नहीं।**

Q.3) **Match the following**

	Choice		Match
A	बाप कहते हैं शान्तिधाम, सुखधाम तरफ बुद्धि रखो।	1	बाप भल देखे, न देखे, खुद ही पाप आत्मा बन पड़ते हैं।
B	बाबा हमको पवित्र बनाकर पवित्र दुनिया में ले जाते हैं तो	2	ऊंच ते ऊंच भगवान पढ़ाते हैं तो कितना खुशी से पढ़ना चाहिए।
C	अभी तुम फूल बन रहे हो। जानते हो कल्प-कल्प हम ऐसे फूल (देवता) बनते हैं।	3	मनुष्य से देवता किये करत न लागी वार।
D	तुम बच्चों ने विकारों को छोड़ा है, विकारी कोई आकर बैठ न सके। अगर बिगर बताये आकर बैठ जाते हैं तो अपना ही नुकसान करते हैं। कोई चालाकी करते हैं, किसको पता थोड़ेही पड़ेगा।	4	लौकिक बाप भी कहते हैं इस हालत में तो तुम नापास हो जायेंगे।
E	बाप कितना श्रृंगारते हैं।	5	परन्तु बुद्धि गन्दी दुनिया तरफ एकदम जैसे चटकी हुई है।
F	बाबा कहेंगे तुम पढ़ते कहाँ हो। बुद्धि भटकती रहती है। तो क्या बनेंगे!	6	ऐसे बाप का कितना रिगार्ड रखना चाहिए।

Q.4) **सदा खुशी में रहो कि हमें कोई देहधारी नहीं पढ़ाते, _____ बाप शरीर में प्रवेश कर खास हमें पढ़ाने आये हैं|**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु सबसे सटीक एक ही उत्तर का चयन करें)

A. सर्वशक्तिवान
B. निराकारी
C. अशरीरी

Q.5) **Match the following**

	Choice		Match
A	बाप तो हर एक को जानते हैं ना।	1	नहीं तो हम कल्प-कल्पान्तर फेल हो जायेंगे।
B	विघ्नों को मिटाते जाना है। कैसे भी करके बाप से वर्सा जरूर लेना है।	2	तुम बच्चे भी जान सकते हो अपने अन्दर को देखना चाहिए-हमारे में कौन-सी कमी है? माया के विघ्नों से पार जाना है, उसमें फँसना नहीं है।
C	समझो कोई साहूकार का बच्चा है, बाप उनको पढ़ाई में अटक (रूकावट) डालते हैं तो	3	कहेगा हम यह लाख भी क्या करेंगे, हमको तो बेहद के बाप से विश्व की बादशाही लेनी है।
D	बाप आकर रावण राज्य को खलास कराये तुमको रामराज्य का मालिक बनाते हैं।	4	कोई भी विकर्म वा पाप कर्म देह-अभिमान में आने से ही होता है।
E	अब बाप बच्चों को समझाते हैं-कोई गफ़लत नहीं करो।	5	तुमको तो अन्दर में अथाह खुशी होनी चाहिए-गाया हुआ है अतीन्द्रिय सुख पूछना हो तो बच्चों से पूछो।

F	अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो।	**6**	भूल न जाओ। अच्छी रीति पढ़ो। रोज़ क्लास अटेण्ड नहीं कर सकते हो तो भी बाबा सब प्रबन्ध दे सकते हैं।